Home Revise

Date:	Std.: IX EM/SE	Subject: Hindi Composite	Time: 30 Min.
Test: Unit Test 1	School:	Portion:	Marks: 15

प्र.१. निम्नलिखित पद्यांश से कृतियाँ पूर्ण कीजिए । [6]

१) [1]

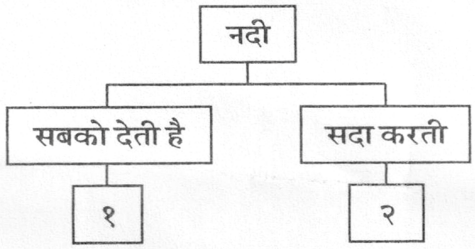

२) [1]

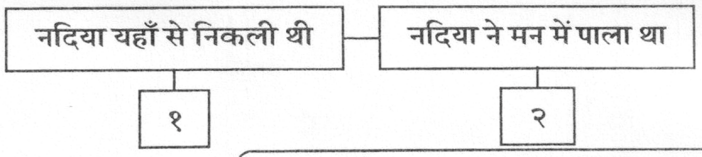

सबको जीवन देने वाली करती सदा भलाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।
मर्यादा में बहने वाली, होकर अमृत धारा,
प्यास बुझाती हूँ उसकी, जिसने भी मुझे पुकारा,
परहित का जीवन है अपना, मत बनिए सौदाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।
गिरिवन से निकली थी, तब मन में पाला था सपना,
जो भी पथ में मिल जाए, बस उसे बना लो अपना,
मगर मलिनता लोगों ने तो, मुझमें डाल मिलाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।

३) निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए : [2]

१. नदिया अपनी मर्यादा में बहती है । २. नदिया का जीवन खतरे में नहीं है ।

३. नदिया सागर से निकली थी । ४. लोगों ने नदी को स्वच्छ करने का बहुत प्रयास किया है ।

४) एक शब्द में उत्तर लिखिए : [1]

१. पथ में मिलने वालों को कौन अपना बनाती है ? २. नदी में लोगों ने क्या मिला दिया है ?

५) [1]

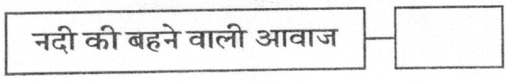

व्याकरण विभाग

१) शब्द संपदा । निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द पद्यांश में से खोजकर लिखिए : [4]

१. हमेशा - २. पीयूष - ३. सरिता - ४. कानन -

२) निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द लिखिए : [2]

१. जीवन - २. मर्यादा -

३) निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द पद्यांश में से खोजकर लिखिए : [1]

१. स्वच्छता × २. मृत्यु ×

४) भावार्थ लिखिए : [2]

गिरिवन से निकली थी, तब मन में पाला था सपना,
जो भी पथ में मिल जाए, बस उसे बना लो अपना,
मगर मलिनता लोगों ने तो, मुझमें डाल मिलाई रे ।
कल-कल करती नदिया कहती, मुझे बचा लो भाई रे ।।